मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 262, मुंबई, मंगलवार, 29 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

सरकार से बात करने को किसान संघ तैयार

तीनों कानूनों को रद्द करने की मांग बरकरार

संवाददाता

नई दिल्ली। किसान यूनियन 30 दिसंबर को दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा बुलाए गए बैठक में भाग लेगी और तीन नए कृषि कानूनों पर चर्चा करेगी। भारतीय किसान यूनियन (डोबा) के महासचिव सतनाम सिंह सहानी ने बताया कि हम 30 दिसंबर को होने वाली बैठक में भाग लेंगे और एक बार फिर नए कृषि कानूनों के बारे में अपनी मांगों को सामने रखेंगे। किसान संघ के सूत्रों ने यह भी बताया है कि बैठक के दौरान, वे एक बार फिर सरकार से सभी 3 नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग करेंगे अन्यथा आंदोलन जारी रहेगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार की केंद्र सरकार को सलाह

किसानों के आंदोलन को बहुत गंभीरता से लें

मुंबई। सरकार और किसानों के बीच प्रस्तावित वार्ता के दो दिन पहले एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को कहा कि केंद्र को किसानों के आंदोलन को 'बहुत गंभीरता' से लेना चाहिए और दोनों पक्षों के बीच वार्ता होनी चाहिए। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि यह चिंता की बात है कि किसान नए कृषि कानूनों पर केंद्र के साथ गतिरोध के बीच भीषण ठंड में सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

फर्जी टीआरपी केस में हो सकती है अर्नब गोस्वामी की गिरफ्तारी

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

सरकार की अपील

'घरों में रहें, सामान्य तरीके से मनायें नये साल का जश्न'

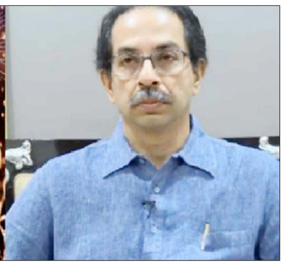

'31 दिसंबर की रात समंदर किनारे, पार्क या सार्वजनिक जगहों पर भीड़ ना करें। सोशल डिस्टंसिंग का पालन करते हुए सैनिटाइजर का इस्तमाल करें'

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को लोगों से कोविड-19 महामारी के बीच नया साल मनाने के लिए घर से बाहर नहीं जाने की अपील की और कहा कि राज्य के बड़े शहरों में अभी पांच जनवरी तक रात का कर्फ्यू जारी रहेगा। ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्वरूप(स्ट्रेन) सामने आने के बाद एहतियात के तौर पर (बड़े शहरों की) निगमीय सीमा में आने वाले क्षेत्रों में पांच जनवरी तक रात में 11 बजे से लेकर सुबह छह बजे तक का कर्फ्यू लगाया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर नजर

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नैतिकता सुनिश्चित करने की किसी भी कोशिश का स्वागत और अनुकरण होना चाहिए। पिछले दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन हुआ है, जिसमें नैतिकता की दृष्टि से एक उदाहरण स्थापित करने की कोशिश हुई है। न्यूरल इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग सिस्टम्स के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी प्रस्तुति देने वालों को अपने शोध से संबंधित यह जानकारी भी देनी थी कि उनका शोध कैसे समाज को प्रभावित करेगा। शोधकर्ताओं से यह भी पूछा गया कि क्या उनके शोध से समाज पर किसी नकारात्मक असर की आशंका है? यह एक बड़ी उपयोगी पहल है, जिसके लिए आयोजक बधाई के पात्र हैं। नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, आयोजकों ने नैतिक चिंताओं से संबंधित दस्तावेजों की जांच के लिए समीक्षकों का पैनल भी गठित किया है। इसके पीछे कोशिश है कि किसी भी ऐसे शोध को हतोत्साहित किया जाए, जिसका नकारात्मक इस्तेमाल मुमकिन हो। एआई विशेषज्ञ कनाडावासी जैक पॉल्सन कहते हैं कि लोगों को इस विषय पर सोचना चाहिए, क्योंकि आज इसका बहुत महत्व है। यह जरूरी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात एआई के क्षेत्र में शोध की एक सकारात्मक संस्कृति विकसित हो। अच्छे उत्पादों या अच्छी सेवाओं का विकास हो। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी एआई उत्पाद का दुरुपयोग न हो सके। तकनीक या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विगत वर्षों में नैतिकता संबंधी विवाद भी बढ़े हैं और चिंताएं भी। हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि एआई की वजह से बड़ी संख्या में लोगों को परेशानी भी हो रही है और लोग शोषण के भी शिकार हो रहे हैं। सुविधा बढ़ाने की आड़ में ऐसी प्रौद्योगिकी का भी विकास किया जा रहा है, ताकि जल्दी से जल्दी लोगों के अर्ध-ज्ञान या अज्ञान का फायदा उठाकर कमाई की जा सके। इस क्षेत्र में तरक्की बहुत तेज है और दुनिया में पुलिस व्यवस्था इतनी कुशल नहीं है कि उच्च प्रौद्योगिकी के जरिए किए गए अपराधों को तत्काल पकड़ा जा सके। कई अपराध तो ऐसे भी हैं, जो विकसित देशों की पुलिस की पकड़ से भी बाहर हैं। ज्यादा चिंता प्रौद्योगिकी के उन उत्पादों या सेवाओं को लेकर है, जिनके जरिए आम लोगों को सीधे-सीधे छला जा रहा है। ऐसे में, यदि स्वयं वैज्ञानिक या शोधकर्ता ही सचेत हो जाएं, तो समस्याएं अपने आप सुलझ जाएंगी। लंदनवासी एआई विशेषज्ञ ईसन गैब्रियल कहते हैं, पहले 'टेक्नो आशावाद' का दौर था, लेकिन हाल के वर्षों में परिदृश्य बदल गया है। इसलिए नैतिकता सुनिश्चित करने की कोशिश करता यह उपयोगी सम्मेलन हर लिहाज से प्रशंसनीय है। सम्मेलन में 9,467 शोध पत्र रखे गए, जिनमें से चार शोध पत्रों को नैतिकता के आधार पर सीधे खारिज कर दिया गया। यह पूरी कवायद अच्छे भविष्य का संकेत है। इस सम्मेलन में उन प्रस्तुतियों पर भी आपत्ति की गई है, जिनमें लोगों के व्यक्तिगत डाटा, फोटो इत्यादि का उपयोग बिना मंजूरी किया गया था। भारत में भी डाटा दुरुपयोग पिछले दिनों बहुत बढ़ गया है। चूंकि भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया के टॉप 20 देशों में गिना जाता है, और एआई शोध में तीसरे स्थान पर है, इसलिए यहां नैतिकता सुनिश्चित करने के प्रयास स्थानीय स्तर पर भी बहुत जरूरी हैं।

प्रकृति बनाम इंसान के वैश्विक युद्ध का वर्ष!

सन 2020 को याद रखेगी पीढ़ियां-1ः उफ! सन 2020 कैसे मानव को याद रहेगा? अनुभव पर। 365 दिन के हम-आप सबके अनुभव में जो है वहीं पृथ्वी के आठ अरब लोगों में अधिकांश के अनुभव में है। इंसान बेफिक्री से सांस नहीं ले पाया। वह डरा रहा। उसने मास्क लगा कर डर-डर कर नाक, मुंह से प्राणवायु ली। घर-परिवार-रिश्तेदार सबसे संभल कर रहा। मानव की मौत बिना संस्कारों की पशु मौत में कन्वर्ट थी। जाहिर है सन 2020 में मानव समाज ने 365 दिन जैसे गुजारे शायद ही पृथ्वी इतिहास में पहले कभी गुजारे हों। मानव इतिहास की पिछली तमाम महामारियों और महामारी-2020 का फर्क यह है कि तब पूरी पृथ्वी कुछ ही दिनों में बिजली कड़कने की रफ्तार में वैसे संक्रमित नहीं हुई, जैसे वर्ष 2020 में हुई। 19वीं-20वीं सदी या उससे पूर्व की तमाम सहस्त्राब्दियों में इंसान अज्ञान में जीता हुआ था, उसे वायरस से बचने, उसकी संरचना का पता नहीं था तो सावधानियों, परिणामों की समझ भी नहीं थी इसलिए पृथ्वी के लोग एक साथ सर्वत्र इतने सहमे, दुबके, बरबाद कभी नहीं हुए, जितने 21वीं सदी के सन 2020-21 में होते हुए हैं।

तो एक जानवर (चमगादड़) जनित वायरस के जरिए प्रकृति का ऐसे कहर बरपाना प्रकृति का बदला लेना नहीं तो क्या है? इसे प्रकृति बनाम मनुष्य के विश्व युद्ध से कम भला कैसे माना जाए? प्रकृति की रचना में, उसके रहस्य में क्या-क्या हथियार हैं, उसका प्रमाण है कोविड-19 वायरस। इंसान को ही वायरस क्यों मारता हुआ है? उसका जीव जगत के बाकी प्राणियों पर हमला क्यों नहीं हुआ? तो लड़ाई प्रकृति बनाम इंसान की हुई या नहीं? प्रकृति का यह मानव समाज से बदला लेना है। उसे घायल करना है। वह मानव, जिसने प्रकृति को बहुत मारा है, उसे गरमाया, सुखाया है, गलाया है और बहुत प्रदूषित किया है! मानव सभ्यता की अति में पृथ्वी-प्रकृति जब क्षत-विक्षत दशा में है तो प्रकृति क्यों न मानव को दुश्मन माने, उस पर हमला करे? पृथ्वी-प्रकृति यदि पंचमहाभूत में हवा, पानी, अग्नि, मिट्टी, आकाश की रचना है तो वह जब मनुष्य के हमलों से कुरूप, घायल है तो उसे भी तो इंसान को बताना होगा औकात में रहो।

हां, जीव जगत के आदि मानव चिंपांजी के पशु-वानर रूप से शुरू मानव बनने का सफर और उसकी सिद्धि में सत्यवादी खोज की हकीकत अपनी जगह है। वह ज्ञान-विज्ञान से उसका उत्तरोत्तर देवता

बनने, अपनी सृष्टि (मंगल में बस्ती बसाने से लेकर इंसान की जैविक प्रतिलिपियां बनाने तक) रचने का दुस्साहस या विजन-संकल्प भी उसका बेजोड़ है और निश्चित ही अपूर्व मानवीय उपलब्धि है लेकिन एक नतीजा प्रकृति का चीरहरण भी तो है। मैं लिखता रहा हूं कि प्रकृति और मानव का रिश्ता तू डाल-डाल, मैं पात-पात वाला है। अफ्रीका की गुफाओं से निकले आदिमानव चिंपांजियों ने गुफा-दिमाग के पट खुलने के साथ विकासवाद में अपने को जैसा बनाया तो वह प्रकृति के साथ, प्रकृति के रहस्यों से सतत संघर्ष से था। सहस्त्राब्दियों के इस संघर्ष में प्रकृति के तमाम रहस्यों को भेदते हुए इंसान ने एक तरफ जहां उस पर विजय पाई है तो प्रकृति ने भी आपदाओं, विपदाओं, प्रलय के असंख्य अनुभवों से इंसान को सतत समझाया, बतलाया कि वह अपने आपको अजेय न माने। सीमा में, मर्यादा में रहे।

सो, डाल-डाल, पात-पात के इस संघर्ष में मनुष्य आगे बढ़ता हुआ, होमो सेपियंस (wise man) सिद्धी से होमोड्यूस (GOD) की और बढ़ने की हद में 21वीं सदी का सफर बनाए हुए है तो प्रकृति क्यों न अपनी लीला में वायरस से हमला कर इंसान को बताए कि औकात में रहो! प्रकृति ने सन 2020 में एक क्षण की अपनी एक क्षणिक रचना के रसायन को इंसान की प्राण वायु में घुसा कर बताया है कि उसमें वह ताकत है, जिससे इतरा रही मानवता सांस लेने में भी ता ता थैया करने लगेगी। तभी वर्ष 2020 का अनुभव अभुतपूर्व है। वक्त प्रकृति बनाम मनुष्य के विश्व युद्ध का है जो दो साल चले या पांच साल, दुनिया बहुत तबाह होगी। मानव सभ्यता जान-माल का इतना नुकसान लिए हुए होगी कि प्रथम युद्ध और दूसरे महायुद्ध के नुकसान से कई गुना अधिक बरबादी यह वैश्विक युद्ध लिए हुए होगा। कहने को मनुष्य ने पिछली महामारियों के मुकाबले बहुत फुर्ती से वैक्सीन बनाई है। चाहे तो इसे होमो सेपियंस से बाद के होमो ड्यूस (GOD) के शुरू सफर की बानगी मानें। मतलब इधर प्रकृति का महामारी वाला हमला तो उधर इंसान द्वारा वैक्सीन बना तुरंत जवाब देना। मगर हर सच्चा ज्ञानवान होमो सेपियंस यह जानते हुए है कि कोविड-19 वायरस ने छह महीने में पूरे विश्व में फैल जिस वैश्विक पैमाने पर व्यक्ति, समाज, आर्थिकी का ग्यारह महीनों में बाजा बजाया है वह प्रकृति का वह हमला है, जिस पर विजय भारी कीमत अदा करके मिलेगी। पिछली महामारियों, पिछले महायुद्धों के मुकाबले कोविड-19 की वैश्विक जंग पूरी पृथ्वी, उसके हर कोने, मनुष्य की हर सांस पर वार है इसलिए इंसान अपनी प्रयोगशालाओं में कितने ही वैक्सीन बना ले उस सबमें कीमत अंततः इंसान के जीने के तरीके, उसकी जेब, उसकी सेहत में ही चुकता होती हुई है। किसने इस सबकी दिसंबर 2019 में कल्पना की थी? एक साल पहले सपने में (वैज्ञानिक-ज्ञानवानों को अलग रखें) में जो नहीं सोचा गया वह आज मानव समाज के प्राण सुखाए हुए है। उस नाते प्रकृति, उसकी अनहोनी ताकत पर जरा विचार करें। हम हिंदीभाषियों को, हिंदुओं को, भारत के लोगों को कोविड-19 के वैश्विक युद्ध के पैमानों का बोध नहीं है लेकिन दुनिया के उन इंसानों को तो है, जिनसे दुनिया चलती है और जो सचमुच मनुष्य प्रजाति के होमो सेपियंस (wise man) हैं न कि पीछे छूटे मंद भेड़-बकरी रूप लिए हुए मनुष्य! कोविड-2020 वर्ष की घटना नहीं है, सदी की घटना है। इससे मानव समाज का जीना बदलेगा। आखिर वायरस हवा के जरिए शरीर में घुस कर उन फेफड़ों को मारता है, जिससे सांस की धक-धक बनती है या खत्म होती है। वैक्सीन से सांस को, फेफड़े को स्थायी तौर पर वायरसप्रूफ, बुलेटप्रूफ बनाना फिलहाल इंसान के बस में संभव नहीं दिखता है। कोविड-19 के बाद दूसरा वायरस आया तो उसके लिए फिर दूसरी वैक्सीन बनानी होगी। अभी यह भी पता नहीं है कि जो वैक्सीन बनी है वह फेफड़ों को कोविड-19 के हमले में कितनी अवधि तक प्रतिरोधक बनाए रखेगी। निःसंदेह दुनिया की तमाम सत्यशोधक-ज्ञानवान प्रयोगशालाओं में सांस को वायरसप्रूफ बनाने का काम शुरू हो गया होगा लेकिन उससे भी प्रकृति बनाम मनुष्य का डाल-डाल बनाम पात-पात वाला संघर्ष खत्म नहीं होना है उलटे इस वैश्विक महायुद्ध ने यह चिंता बना दी है, यह अहसास करा दिया है कि इंसान ने प्रकृति के खिलाफ जब इतने मोर्चे खोले हुए हैं तो हवा, पानी, मिट्टी, अग्नि, आकाश में दस तरह से घायल प्रकृति उतने ही अलग-अलग बदले लेने की धुन में क्या नहीं पहुंच गई होगी?

अगर जनमत की कद्र होती!

जम्मू-कश्मीर में जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनावों के नतीजे को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश। इसे अपनी जीत बताया। उसके दावे का आधार था कि उसे सबसे ज्यादा सीटें मिलीं। जबकि जिन पार्टियों ने गठबंधन के आधार पर चुनाव लड़ा, उनकी सीटों को अलग- अलग बताना कहीं से उचित नहीं है। हकीकत यह है कि कश्मीर घाटी में भारतीय जनता पार्टी और उसकी सहयोगी अपनी पार्टी की करारी शिकस्त हुई। जम्मू क्षेत्र में भी अगर पिछले लोक सभा या विधान सभा चुनावों से तुलना करें, तो भाजपा का प्रदर्शन फीका रहा। इसीलिए कई विश्लेषकों ने इन नतीजों को 2019 के अगस्त में जम्मू-कश्मीर के स्वरूप में किए गए परिवर्तन को जनता की ठोकर कहा है। बहरहाल, यह साफ है कि भाजपा अपने नैरेटिव के अलावा किसी की बात नहीं सुनती। इसलिए ऐसे

तर्कों का कोई मतलब नहीं है। आज लोकतंत्र या जनादेश वही है, जो भाजपा नेतृत्व बताता है। इसलिए इन चुनावों से राज्य में संवाद या समन्वय की कोई खिड़की नहीं खुलेगी, हालांकि अगर ईमानदारी से प्रयास हो तो इसकी संभावना इससे बनी है। लेकिन अगर राजनीतिक विरोधियों को गैंग कहा जाता हो, तो आखिर संवाद कैसे होगा। चुनाव में सात पार्टियों वाला गुपकार गठबंधन 110 सीटों के साथ सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरा। 75 सीटें जीत कर भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई। गठबंधन की पार्टियों के प्रदर्शन को अलग अलग देखें, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस पहले नंबर पर आई। अपेक्षा के मुताबिक भाजपा को सफलता जम्मू इलाके में मिली। कश्मीर में महज तीन सीटें ही वह जीत पाई। पार्टी घाटी में किसी भी डीडीसी पर अपना नियंत्रण स्थापित नहीं कर पाई, जबकि जम्मू में उसने छह डीडीसी अपने अधीन कर लिए। गुपकार गठबंधन ने नौ परिषदों में बहुमत हासिल कर लिया, जो सभी कश्मीर में हैं। कांग्रेस के समर्थन से वह तीन और परिषदों में बहुमत हासिल करने की स्थिति में है। कांग्रेस पहले गुपकार गठबंधन का हिस्सा थी, लेकिन देश में बने मीडिया माहौल के बीच वह इससे हट गई थी। यहां यह गौरतलब है कि गठबंधन के लिए बेहद प्रतिकूल स्थितियां थीं। उसकी लगभग सभी पार्टियों के नेताओं को लंबे समय तक अस्थायी जेलों में बंद रखा गया। उसके चुनाव प्रचार में बाधा डाले जाने की खबरें आईं।

फर्जी टीआरपी केस में हो सकती है अर्नब गोस्वामी की गिरफ्तारी

संवाददाता

मुंबई। फर्जी टीआरपी केस में रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। सोमवार को इस केस में इन्वेस्टिगेशन कर रही क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट (सीआईयू) ने किला कोर्ट में उन पर रिश्वत देने का लिखित में आरोप लगाया है। पिछले सप्ताह सीआईयू ने ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) के पूर्व सीईओ पार्थ दासगुप्ता को गिरफ्तार किया था। उन्हें सोमवार को नई रिमांड के लिए मैजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। उस दौरान सीआईयू की तरफ से दायर रिमांड एप्लिकेशन में लिखा गया कि पार्थदास गुप्ता ने रिपब्लिक भारत हिंदी चैनल और रिपब्लिक टीवी अंग्रेजी न्यूज चैनल की टीआरपी में हेरफेर के लिए अर्नब गोस्वामी व अन्य संबंधित आरोपियों के साथ मिलकर साजिश की और गैरकानूनी काम किया। इसके बदले में अर्नब गोस्वामी ने पार्थ दासगुप्ता को वक्त- वक्त पर लाखों रुपये दिए, ऐसा सीआईयू की जांच में सामने आया है। इन रुपयों से पार्थदास गुप्ता ने मूल्यवान वस्तुएं, महंगे गहने खरीदे। सीआईयू ने रिमांड एप्लिकेशन में जानकारी दी कि पार्थ दासगुप्ता की गिरफ्तारी के बाद जांच टीम ने उनके घर से खोजबीन की। वहां से एक लाख रुपये कीमत की हाथ की घड़ी व सिल्वर कलर की धातु के तीन किलो 300 ग्राम गहने मिले हैं।

इस मामले की भी हो रही है जांच: सीआईयू ने कोर्ट से कहा कि अर्नब के दिए गए रुपयों से पार्थ दासगुप्ता ने क्या कुछ और खरीदा, इसकी जांच करनी है और वह सामान भी जब्त करना है, इसलिए सीआईयू ने कोर्ट से पार्थ दासगुप्ता की कस्टडी और मांगी। कोर्ट ने 30 दिसंबर तक दासगुप्ता को सीआईयू की कस्टडी में भेज दिया। सीआईयू ने कोर्ट को यह भी बताया कि उसने दासगुप्ता के पास से दो मोबाइल फोन, एक लैपटॉप व आईपैड भी जब्त किया है। इनकी भी जांच की जा रही है। फर्जी टीआरपी केस में एफआईआर 6 अक्टूबर को दर्ज की गई थी। तब से रिपब्लिक व कई अन्य टीवी चैनल जांच के घेरे में हैं, लेकिन इस केस में अधिकृत रूप से मुंबई क्राइम ब्रांच ने अर्नब गोस्वामी का नाम पहली बार लिया है।

पहले भी गिरफ्तार हो चुके हैं अर्नब: इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक और उनकी मां कुमुद को आत्महत्या के लिए कथित रूप से उकसाने के मामले में पिछले महीने अर्नब गोस्वामी को दो अन्य आरोपियों फिरोज शेख और नीतीश शारदा के साथ गिरफ्तार किया गया था। बाद में तीनो को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जमानत पर छोड़ दिया गया था।

तत्काल लोन दिलाने के नाम पर ठगी, चीनी महिला समेत तीन गिरफ्तार

पुणे। तेलंगाना पुलिस ने चीनी मूल की महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी एक तत्काल लोन मामले के तहत की गई है। पुलिस ने इस मामले में 101 लैपटॉप और 106 मोबाइल फोन समेत कई दस्तावेज भी जप्त किए हैं। इसके अलावा बैंक एकाउंट को भी फ्रीज कर दिया गया है जिसमे 1 करोड़ 42 लाख रुपये थे। पकड़े गए आरोपियों के नाम परशुराम लहू टकवे, उसकी पत्नी लियांग तियान तियान (चीनी मूल की) और कॉल सेंटर के मैनेजर एसके आकिब हैं। इस डिजिटल ऑनलाइन लेंडिंग फ्रॉड मामले में तियान तियान की तीसरी गिरफ्तारी है जो चीन से ताल्लुक रखता है। इसके पहले पुलिस ने चीनी नागरिक ईबाई उर्फ डेनिस को गिरफ्तार किया है। जो शंघाई का रहने वाला है। यह गिरफ्तारी दिल्ली से की गई है। आरोपी ग्यारह ऑनलाइन लेंडिंग मोबाइल एप्लीकेशन चला रहा था। जिसमें 20 से 40 साल की उम्र के लोगों को छोटे छोटे लोन देता था वो भी काफी ज्यादा ब्याज पर। अक्टूबर महीने में भी एक चीनी नागरिक की गिरफ्तारी दिल्ली से की गई थी। जो अवैध तरीके से गैंबलिंग का कारोबार चला रहा था। उसपर नागरिकों के करोड़ों रुपये डूबा देने का आरोप था। फिलहाल आरोपी हैदराबाद की जेल में बंद है।

देश भर से 18 लोग गिरफ्तार

फिलहाल तेलंगाना पुलिस ने ऑनलाइन फ्रॉड मामले में पूरे देश से 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई तब शुरू की जब चार पीड़ितों ने आत्महत्या कर ली। जिसमें से एक कृषि अधिकारी और एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर था। कई लोगों ने पुलिस से इस बारे में शिकायत भी की है। पीड़ितों ने बताया कि उनकी तस्वीरों को भी सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था। ताकि उनका मुंह बंद करवाया जा सके। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने मुंबई और मैसूर की चार फाइनेंस कंपनियों से लोन रिकवरी का एग्रीमेंट किया हुआ था। इस संबंध में आरोपी ने पुणे में एक कॉल सेंटर भी बनाया हुआ था।

पुणे में एयरहोस्टेस के साथ बलात्कार

पुणे। पुणे शहर में एक 26 वर्षीय एयर होस्टेस के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ऑनलाइन डेटिंग साइट पर पीड़ित और आरोपी की मुलाकात हुई थी। उसके बाद आरोपी ने पीड़िता को अपने प्रेम जाल में फंसाया और उसके साथ में बलात्कार किया। यह भी पता चला है कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की थी। इस घटना के बाद से पुणे शहर के अभिभावकों में भी एक डर का वातावरण है। जानकारी के अनुसार पीड़िता इंडिगो एयरलाइंस में एयर होस्टेस के पद पर काम करती है। ऑनलाइन डेटिंग ऐप के जरिए दोनों की मुलाकात होने की बात सामने आई है। आरोपी ने पीड़िता का ना सिर्फ रेप किया बल्कि उसे बहुत बुरी तरह से मारा भी है। जिसकी वजह से पीड़िता फिलहाल पुणे के ससून अस्पताल में इलाज करवा रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सरकार से बात करने को किसान संघ तैयार

केंद्र ने किसानों के साथ गतिरोध पर 30 दिसंबर को 7 वें दौर की वार्ता के लिए लगभग 40 किसान संघों को आमंत्रित किया है। किसान 4 स्पेशल एजेंडा पर बैठक करना चाहते हैं, जिसमें तीन केंद्रीय कृषि अधिनियमों को निरस्त करने की मांग, राष्ट्रीय किसान आयोग द्वारा अनुशंसित पारिश्रमिक एमएसपी को सभी किसानों और सभी के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत अधिकार के रूप में अपनाया जाना शामिल है। सूत्रों का कहना है, सरकार ने किसानों द्वारा प्रस्तावित सम्पूर्ण एजेंडा आइटम पर चर्चा करने की इच्छा व्यक्त की है। सितंबर, 2020 में संसद ने किसानों से सम्बंधित तीन कानूनों को पारित किया था उसके बाद से ही देश भर के किसान संगठन केंद्र सरकार के विरुद्ध आंदोलन कर रहे हैं। जिन दो राज्यों में इन कानूनों का सबसे अधिक विरोध हो रहा है वे दो राज्य पंजाब और हरियाणा हैं। इन दोनों राज्यों के किसान पिछले एक महीने से दिल्ली बॉर्डर पर धरना दे रहे हैं। इनकी मांग है कि सरकार तीनों कानून वापस ले। ये तीन कानून हैं- कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य संवर्धन व सरलीकरण कानून 2020, कृषि कीमत अश्वासन और कृषि सेवा करार कानून, 2020, आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक, 2020।

शरद पवार की केंद्र सरकार को सलाह

माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी से मुलाकात के बाद पवार ने कहा, 'सरकार को किसानों के आंदोलन को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए... वार्ता होनी चाहिए। किसान कंपकंपाती ठंड में सड़क पर खुले में प्रदर्शन कर रहे हैं, यह हम सबके लिए चिंता की बात है।' आंदोलन के गैर राजनीतिक स्वरूप को लेकर पवार ने कहा कि पहले दिन ही किसानों ने स्पष्ट कर दिया था कि वे इस आंदोलन में किसी भी राजनीतिक संगठन के साथ जुड़ना नहीं चाहते हैं। उधर, बैठक के बाद येचुरी ने कहा, शरद पवार से मेरी भेंट हुई। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। हमने किसानों के आंदोलन पर चर्चा की। विपक्षी दल हालात पर चिंतित हैं, हमें 30 दिसंबर को उनकी बैठक के नतीजों का इंतजार है और फिर आगे का फैसला करेंगे। बता दें कि पिछले एक महीने से ज्यादा समय से हजारों किसान देश की राजधानी नई दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान केंद्र के नए कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग कर रहे हैं। मांग पूरी नहीं होने पर आगामी दिनों में उन्होंने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। वहीं, केंद्र सरकार इन कानूनों को वापस लिए जाने के कोई संकेत नहीं दे रही है।

सरकार की अपील

राज्य सरकार के परिपत्र में लोगों से 'अपने घरों में ही सामान्य तरीके से नये साल का स्वागत करने' तथा 'समुद्रतट, उद्यान, सड़कों पर जाने से बचने की अपील की गयी है, वैसे 31 दिसंबर को दिन का कर्फ्यू नहीं होगा।' परिपत्र में विशेषकर दस साल से छोटे बच्चों और 60 साल से अधिक के बुजुर्गों से इस महामारी के मद्देनजर नया साल मनाने के लिए घर से बाहर नहीं जाने का आह्वान किया गया है। मुम्बई में नये साल पर मैरीन ड्राइव, गेटवे ऑफ इंडिया, गिरगांव और जुहू आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। सरकारी आदेश में कहा गया है कि इस दौरान कोई भी सांसकृतिक या धार्मिक कार्यक्रम नहीं किया जाए, 2021 के पहले दिन धार्मिक स्थलों पर जा रहे लोग भीड़भाड़ से बचें। परिपत्र में प्रदूषण से बचने के लिए आतिशबाजी नहीं करने की सलाह दी गयी है।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

क्राइम रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन (एनजीओ) ने लासलगाँव के एक अनाथालय और वृद्धाश्रम में मदद के लिए बढ़ाया हाथ

लोनावला। क्राइम रिपोर्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन और क्राइम बॉर्डर पिछले कई सालों से कह रहे हैं, 'हमें समाज को कुछ वापस देना है' और 'आइए इन दीयों को जलाएं, जहां अभी भी अंधेरा है'। एनजीओ इस नारे के तहत काम कर रहा है। क्राइम रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन (एनजीओ) पुणे जिला महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती चित्रा उर्फ श्रवण कामत, क्राइम रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष। सीमा वाखरे और संस्थापक राजेंद्र वाखरे के मार्गदर्शन में नवंबर 2020 के महीने में नासिक जिले के लासलगाँव में जे जनार्दन अनाथालय और वृद्धाश्रम की यात्रा से पता चला कि जय जनार्दन अनाथालय 2003 में स्थापित किया गया था और यह बहुत अच्छा काम कर रहा है। वहां के स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं। यही उसने गौर किया। अब तक, उन्होंने अनाथ लड़के और लड़कियों की देखभाल की है और एक उपयुक्त स्थान पर 76 लड़कियों की शादी की है। उन्होंने 52 अनाथों के विवाह की भी व्यवस्था की है। ये संगठन अनाथों और बुजुर्गों की देखभाल कर रहे हैं। वर्तमान में इस आश्रम में 75 लड़के और लड़कियां पढ़ रहे हैं। इस संगठन के संस्थापक परम पूज्य स्वामी वासुदेव नंदगिरि गुरु मौनगिरी महाराज हैं और सचिव श्री दिलीप बाबूराव गुंजल और प्रबंधक श्रीमती संगीता दिलीप गुंजल, श्रीमती संगीता शंकर सोनवणे अथक प्रयास कर रहे हैं। इन सभी का दौरा करने के बाद, पुणे जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती चित्रा उर्फ श्रवण कामत, क्राइम रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन और क्राइम बॉर्डर के माध्यम से, वास्तु में लड़कियों पर शिष्टाचार भेंट की। प्रासंगिक आश्रम लड़कों और लड़कियों को अच्छी जिंदगी सीखने और जीने के लिए काम कर रहे हैं। संगठन का अपना स्थान है। लेकिन बच्चों को बुजुर्गों को समायोजित करने के लिए निर्माण करने की आवश्यकता है। समुदाय के दाताओं ने संबंधित संगठनों से अपील की है कि वे बुजुर्गों और अनाथों की देखभाल करने के लिए आगे आएं और आश्रम का दौरा करें और यथासंभव उनकी आर्थिक मदद करें ताकि अनाथों और बुजुर्गों का ध्यान रखा जा सके। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्राइम बॉर्डर के एक पत्रकार और पुणे जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती ने की थी। इस अवसर पर चित्रा श्रवण कामत और रवींद्र कदम, सुरेखा कदम, स्वप्न सावंत, जितेश फपेले, ईशा देधिया आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संगीता गुंजल ने किया और दिलीप गुंजल ने सभी का धन्यवाद किया। इस समय, अनाथालय की मदद के लिए क्राइम बॉर्डर और क्राइम रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन (एनजीओ) जारी रहेगा। कामत ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया गारंटीड पेंशन प्लान

ठाणे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने 'आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान' शुरू किया है। यह एक ऐसी अभिनव सेवानिवृत्ति योजना है जो वित्तीय रूप से स्वतंत्र सेवानिवृत्त जीवन जीने के लिए जीवन भर की आय की गारंटी देती है। यह एक नॉन-लिंक्ड नॉन-पार्टिसिपेटिंग व्यक्तिगत वार्षिकी उत्पाद है। इसमें ग्राहकों को तत्काल और स्थगित अवधि के साथ वार्षिकी का चयन करने की सुविधा मिलती है। तत्काल वार्षिकी विकल्प ग्राहकों को एक बार के प्रीमियम का भुगतान करते हुए तुरंत नियमित आय प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। दूसरी ओर, डेफर्ड एन्युइटी विकल्प ग्राहकों को बाद में किसी भी बिंदु पर आय प्राप्त करने की सुविधा देता है, उदाहरण के लिए उनकी सेवानिवृत्ति के करीब। ग्राहकों के पास 10 साल की अवधि के लिए आय को स्थगित करने का विकल्प है। डेफर्ड एन्युइटी अविध जितनी लंबी होगी, आय भी उतनी ही अधिक होगी। यह उत्पाद ग्राहकों को सेवानिवृत्त जीवन

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE

की योजना बनाने और वित्तीय रूप से स्वतंत्र जिंदगी बिताने में सक्षम बनाता है। बढ़ती महंगाई की चुनौती से निपटने के लिए ग्राहकों के पास अपने योगदान को बढ़ाने और इस तरह से आय को बढ़ाने का विकल्प है। ग्राहकों के पास एकल या संयुक्त जीवन विकल्पों का चयन करने की सुविधा भी है। एकल जीवन विकल्प में, पूरे जीवन के लिए पॉलिसीधारक को नियमित आय का भुगतान किया जाता है। संयुक्त जीवन विकल्प में, प्राथमिक पॉलिसीधारक के निधन पर संयुक्त पॉलिसीधारक को आय का भुगतान किया जाता है। उत्पाद विशिष्ट गंभीर बीमारियों और स्थायी विकलांगता के निदान पर प्रीमियम राशि की वापसी की सुविधा भी देता है। इस तरह यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है कि पॉलिसीधारक अपनी आमदनी का उपयोग बीमारी के इलाज के लिए कर सके। 'आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन प्लान' की लॉन्चिंग पर टिप्पणी करते हुए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमित पलटा ने कहा, हम ग्राहकों को जीवन भर की आय के समाधान की गारंटी देते हुए खुशी का अनुभव कर रहे हैं। यह एक ऐसी योजना है, जो वर्तमान दौर के अप्रत्याशित समय में निश्चितता प्रदान कर सकती है। जीवन को लेकर उच्च प्रत्याशा, किसी भी सामाजिक सुरक्षा की कमी, बढ़ती मुद्रास्फीति और स्वास्थ्य देखभाल की बढ़ती लागत के इस दौर में ग्राहकों के लिए सुरक्षित सेवानिवृत्त जीवन की योजना बनाना एक तरह से जरूरी हो गया है। आईसीआईसीआई प्रू गारंटीड पेंशन विविधतापूर्ण सेवानिवृत्ति योजना है जो ग्राहकों को सेवानिवृत्त होने या बाद में नियमित आय प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। यह उन लोगों के लिए एक ऐसा विकल्प होगा जिनके लिए सेवानिवृत्ति अभी भी कुछ समय दूर है।

बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2020 का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न

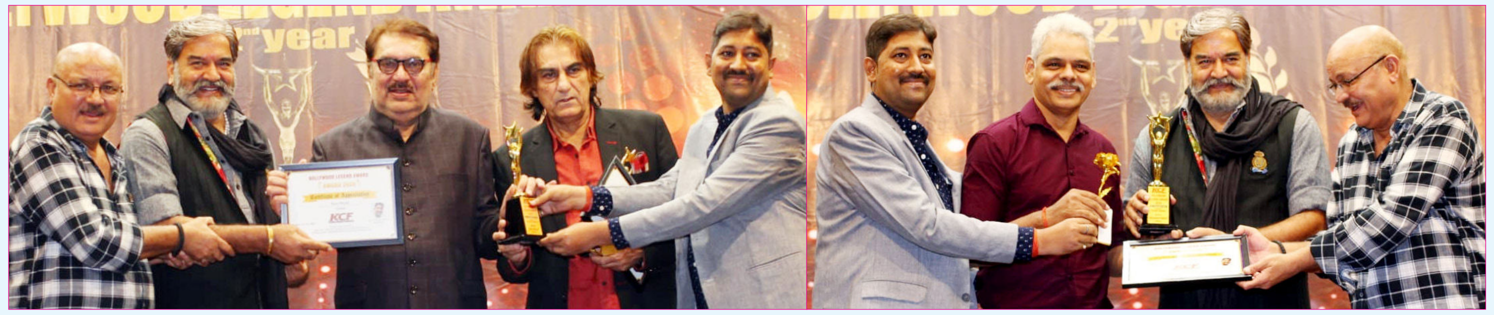

मुंबई। हाल ही में अंधेरी पश्चिम स्थित मेयर हॉल में बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2020 का आयोजन दूसरी बार कृष्णा चौहान फाउंडेशन के अंतर्गत धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवार्ड शो के आयोजक कृष्णा चौहान हैं जो बॉलीवुड और सामाजिक क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह अवार्ड शो करने का बीड़ा उठाया है। इस शानदार कार्यक्रम में अभिनेता रजा मुराद, सुरेंद्र पाल, गजेंद्र चौहान, अरुण बक्शी, अली खान, गुलशन पांडे, राजीव दिनकर, गीतकार सुधाकर शर्मा, संगीतकार संजय पाठक और कॉमेडियन एक्टर सुनील पाल को बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया। साथ ही पत्रकारों में सोहेल फिदाई, अमित मिश्रा, कृष्णा के. शर्मा, ब्रजेश मेहर, राजा राम सिंह, जयेश गोहिल, दलविंदर धीमान, नासिर तगले, प्रेस फोटोग्राफर राजेश कोरिल, अब्दुल कादिर और हमारा महानगर की गीता सिंह भी सम्मानित हुए। अवार्ड शो का संचालन सिमरन आहूजा ने किया। इस कोरोना महामारी के समय में सभी अतिथि और अवार्डी सरकारी आदेशानुसार मास्क और सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए नजर आये। लंबे लॉकडाउन के बाद बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड 2020 ने सभी के चेहरे पर खुशी भर दी। अवार्ड शो में दर्शकों का मनोरंजन करने हेतु नृत्य गीत संगीत भी रखा गया था। स्टैंडअप कॉमेडियन सुनील पाल ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया वहीं जेबा काजी के गीत और शिरीन फरीद की खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति से समां बंध गया। साल के अंत में यह अवार्ड समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। आपको बता दें कि आयोजक कृष्णा चौहान गोरखपुर यूपी के निवासी हैं और मुम्बई में पिछले 18 वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय हैं और फिल्ममेकिंग से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्म, म्यूजिक एलबम का निर्माण किया है। इनके निर्देशन में बनी हिंदी फिल्म 'जीना नहीं तेरे बिना' 2021 में रिलीज होने जा रही है। जिसमें बॉलीवुड के कई चिर परिचित चेहरे अभिनय करते हुए नजर आएंगे।

फ्लाइट छूटे या सामान-पासपोर्ट गुम हो, यात्रा बीमा पॉलिसी में सब होगा कवर, नए साल में बदलेंगे नियम

संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने यात्रा बीमा के लिए मानक दिशानिर्देशों का प्रस्ताव किया है। इसका उद्देश्य घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान बीमा कवरेज, इसके दायरे से बाहर की चीजों तथा कवरेज की शर्तों में सुनिश्चितता लाना है। यात्रा बीमा पॉलिसी के दायरे में उड़ान पकड़ने से चूकना, चेक-इन सामान का गायब होना, यात्रा में विलंब होना और पासपोर्ट गुम होना भी आएगा। नियामक ने सोमवार को 'मानक यात्रा बीमा पॉलिसी पर दिशानिर्देश' का मसौदा जारी करते हुए कहा कि इनसे मानक यात्रा बीमा उत्पाद उपलब्ध होंगे। इसके तहत समूचे उद्योग में यात्रा बीमा कवरेज ओर उसकी शब्दावली समान होगी। इरडा ने इसके मसौदे पर छह जनवरी, 2021 तक अंशधारकों से टिप्पणियां मांगी हैं। इसमें मानक शर्तें, ग्राहक सूचना शीट और फाइल फॉर्मेट का इस्तेमाल शामिल है। मसौदे में यात्रा बीमा के दायरे में क्या चीजें होंगी और क्या इसके दायरे से बाहर होंगी, उनका ब्योरा है। मसौदे के अनुसार यदि बीमित व्यक्ति विदेश में दुर्घटना का शिकार होकर घायल होता है और दुर्घटना के 365 दिन के अंदर उसकी मृत्यु इस एकमात्र वजह से होती है, तो उसके परिजनों को बीमा कंपनी बीमित राशि के बराबर मुआवजे का भुगतान करेगी। यदि दुर्घटना में मृत्यु नाबालिग या 18 साल से कम के व्यक्ति की होती, तो बीमा कंपनी पर अधिकतम देनदारी बीमित राशि का 50 प्रतिशत होगी। घरेलू यात्रा बीमा के संदर्भ में इसमें कहा गया है कि जिसमें बीमित व्यक्ति यात्रा कर रहा है यदि उस साझा परिवहन वाहन की दुर्घटना हो जाती है और दुर्घटना से 365 दिन के अंदर बीमित की मृत्यु हो जाती है, तो बीमा कंपनी को बीमित राशि का भुगतान उसके परिजनों को करना होगा। यात्रा बीमा पॉलिसी के दायरे में उड़ान पकड़ने से चूकना, चेक-इन सामान का गायब होना, यात्रा में विलंब होना और पासपोर्ट गुम होना भी आएगा।

कोरोना वैक्सीन को लेकर अदार पूनावाला ने किया दावा

'हम जो बनाएंगे उसका आधा हिस्सा भारत का'

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में कोरोना के नए स्ट्रेन की वजह से एक बार फिर घबराहट बढ़ गई है। नए स्ट्रेन की वजह से अब कोरोना की वैक्सीन को लेकर लोगों की बेताबी भी काफी तेज होती जा रही है। इसी बीच सोमवार को सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदार पूनावाला ने दावा किया कि उनकी कंपनी जितनी भी वैक्सीन डोज बनाएगी, उसका आधा हिस्सा भारत के लिए ही होगा। पूनावाला ने बातचीत के दौरान बताया कि ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन को यूके में 2021 की शुरूआत में इस्तेमाल के लिए लाइसेंस मिलने की उम्मीद है। यह पूछे जाने पर कि क्या यूके में अभी भी ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को लेकर कोई चिंता की बात है जिस वजह से वैक्सीन को अभी तक अप्रूवल नहीं मिला है, पूनावाला ने कहा कि किसी तरह की कोई चिंता की बात बिल्कुल नहीं है, हमें बस एक नए साल और कुछ अच्छी खबरों का इंतजार करना चाहिए। पूनावाला ने आगे कहा, 'सभी डेटा हमारे द्वारा भारत और यूके में नियामकों के पास सबमिट कर दिए गए हैं। हमें यकीन

है कि डेटा वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभावकारिता दिखाते हैं। पहली डोज और दूसरी डोज के बीच एक गैप है। भारतीय दवा नियामक भी कई कंपनियां को देख रहे हैं जो कोविड- 19 वैक्सीन विकसित कर रही हैं।' पूनावाला ने कहा, 'इससे पहले, बहुत से लोग इस बात पर बहस कर रहे थे कि हम इस (वैक्सीन) रेस में क्यों पड़ रहे हैं, अब उल्टे सवाल पूछे जा रहे हैं। भारत की ड्रग कंट्रोलर अथॉरिटी पहले से ही अच्छा काम कर रही है।' बता दें कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने भारत में वैक्सीन, कोविशील्ड के निर्माण के लिए एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी की है।

नया कोरोना: 31 जनवरी तक सख्त निगरानी और एहतियात बरतने के निर्देश जारी

संवाददाता

नई दिल्ली। ब्रिटेन में सामने आए नए कोरोना वायरस को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश में जारी किए दिशा-निर्देशों को अब 31 जनवरी तक बढ़ा दिया है। इसके तहत गृह मंत्रालय ने कोरोना का खतरा और ना बढ़े इसलिए सख्त निगरानी और एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि कंटेंमेंट जोन का सावधानीपूर्वक सीमांकन किया जाना जारी रहेगा। कंटेंमेंट जोन में पहले से निर्धारित किए गए रोकथाम के उपायों का सख्ती से पालन किया जाएगा। कोविड-19 को देखते हुए शारीरिक दूरी बनाए रखने जैसे नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। गृह मंत्रालय ने कहा कि हालांकि कोविड-19 के सक्रिय और नए मामलों में देश में लगातार गिरावट देखी गई है, परंतु विश्व स्तर पर मामलों में उछाल को ध्यान में रखते हुए निगरानी, रोकथाम और सावधानी बनाए रखने की आवश्यकता है। खासतौर पर ब्रिटेन में नया कोरोना संक्रमण सामने आने के बाद एहतियात बरतना बेहद जरूरी है। वहीं केंद्रीय गृह सचिव ने राज्य के मुख्य सचिवों को पत्र लिखते हुए कहा है कि टीकाकरण के लिए डेटाबेस, टीका वितरण, भंडारण, सुरक्षा, शिपमेंट पर काम करें।

मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के मण्डलीय पदाधिकारी सम्मेलन 2020 संपन्न

मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के मण्डलीय पदाधिकारी सम्मेलन 2020 मदरसा दर्सगाह इस्लामी हलधरमऊ में हुआ जिसमें मुख्यातिथि हाजी समिल्लाह खान शोएब प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्षता खालिद अख्तर खान व संचालन अफताब अहमद अंसारी ने किया। प्रोग्राम का आगाज कलामे कुरान पाक की तिलावत से कारी जुबैर साहब ने किया। हाजी समीउल्लाह खान शोएब प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष बलरामपुर आवेश मोनिश, जिला अध्यक्ष सिद्धार्थनगर अतिउल्लाह खान, जिला अध्यक्ष अम्बेडकर नगर जियाउद्दीन अंसारी, जिला अध्यक्ष महबूब आजमी आजमगढ़, जिला अध्यक्ष सीतापुर

सफीक खान, जिला अध्यक्ष इब्राहीम अंसारी बाराबंकी व प्रदेश प्रवक्ता, सुहैल अंसारी प्रदेश सचिव, प्रदेश उपाध्यक्ष इरफान अहमद खान व मौलाना मोहम्मद इस्लाम आदि जिला अध्यक्ष व प्रदेश पदाधिकारियो का माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम के आयोजक/व्यवस्थापक मोहसिन खान जिला अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया।

हम शिक्षको का भविष्य कैसे सवारे संगठन और हमारी जिम्मेदारिया

उपरोक्त टॉपिक पर सभी ने अपने विचार व्यक्त किये प्रदेश अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि संगठन मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षक संघ उप्र कभी शोसल मीडिया पर शिक्षको गुमराह नही करती न झूठी वाहवही से सस्ती लोक प्रियता चाहता है बकाया केंद्रांश व राज्यांश के लिए हर हम जद्दोजेहद करेगे। अंत मे संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा संगठन का जल्द विस्तार किया जाएगा व सदस्यता अभियान चलाया जाएगा जिससे मदरसा आधुनिकिकरण शिक्षको को मजबूत किया जा सके जिस तरह प्रदेश के तमाम शिक्षको का मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षक संघ उप्र पर विश्वास कायम है उसे हर सम्भव हमको संघर्ष करते हुए उनकी हक को मुकम्मल तौर पर उन तक पहुचना है। इस अवसर पर जनपद गोण्डा के मदरसा आधुनिकीकरण शिक्षक संघ के पदाधिकारी अली हुसैन राइनी, अब्दुल हन्नान, महमूद अहमद, रिजवान अहमद, मोहम्मद रहमान खान, जमाल अहमद खान, जावेद अंसारी, मोहम्मद अशफाक, रिजवान भाई, अब्दुल कुद्दुस, सबीउल्लाह खान, समीर अहमद, गणेश प्रताप, अरशद खान, अजय जसवाल बब्लू भाई, मोइन अहमद, आरिफ अहमद, इरशाद अहमद, गुड्डू, फरहान अंसारी, सन्नान खान, इरफान अहमद, निसार अहमद, राजू आदि पदाधिकारी शिक्षक मौजूद रहे।

बुलढाणा हलचल

पुराने विवाद को लेकर देवर ने किया भाभी का खून

संवाददाता/अशफाक युसुफ / बुलडाणा। शहर के पास भादोला मे पुराने विवाद को लेकर देवर ने अपनी भाबी की लकडी पिटाई कर दी। जिस से वो गंभीर रुप से जखमी होगई। यह घटना 27 दिसंबर की शाम को हुई। गंभीर हालत में प्राथमिक उपचार के लिए जिला सामान्य अस्पताल बुलढाणा में भर्ती कराया गया लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे और इलाज के लिए औरंगाबाद भेज दिया गया था। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। इस घटना के बारे में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बुलदाना तालुका के भादोला गांव के 38 वर्षीय आरोपी राजू चिंकाजी गवई ने 55 वर्षीय अपनी भाबी बेबी संतोष गवई से पूछा कि मेरे खिलाफ चोरी की रिपोर्ट क्यों की। इसके कारण, वह 27 दिसंबर की शाम लगभग 7 बजे भाबी के सिर पर मारा और गंभीर चोटों के कारण उसे जिला सामान्य अस्पताल, बुलडाणा में भर्ती कराया गया था, लेकिन गंभीर रूप से पीटने के कारण उसकी हालत गंभीर होने से आगे के इलाज के लिए औरंगाबाद के घाटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान रात में उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने पहले आईपीसी की धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया गया। लेकिन अब संतोष चिंकाजी गवई वय 68 वर्षे की शिकायत पर आरोपी राजू चिंकाजी गवई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद, पुलिस ने घटनास्थल पर एक पंचनामा किया। और आगे की जांच थानेदार सारंग नवलकर द्वारा की जा रही है।

चोरों ने वकील के घर में लगाई सेंध

बुलडाणा। शहर के सागवान में राजगीर लेआउट द्वारकानगर में एक वकील के घर में चोरों ने सेंध लगाई और 41,000 रुपये का सामान चुरा लिया। यह मामला विगत रात पेश आया। इस घटना के बारे में प्राप्त जानकारी यह है कि एड. संध्या की शादी के लिए संधू रामलाल बुर्ज मालवंडी गए थे। जब वे शादी से लौटे, तो उन्होंने 28 दिसंबर को घर का कुलुब तुटा हुवा पाया। घर से सोने, चांदी की बालियां, सोने की बालियां, सोने की अंगूठी, चांदी की बालियां, बच्चों के पैर के पायल, अलमारी में रखे 7,500 सोने और चांदी के 41,170 रुपये के कुल 41,170 रुपये मूल्य के सामान चोरी हो गए।ॲड बुरजे ने 28 दिसंबर को शहर के पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच सुधाकर गवरगुरु द्वारा की जा रही है।

मधुबनी नगर निगम बनने पर सुमन महासेठ हुए सम्मानित

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। नगर परिषद को नगर निगम का दरजा मिलने पर भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार कि अध्यक्षता में एम एल सी सुमन कुमार महासेठ को अभीनंदन समारोह कर सम्मानित किया गया है इस दौरान नगर मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार ने कहा है कि एम एल सी सुमन कुमार महासेठ नगर परिषद को नगर निगम कि माँग बरसों से करते आरहे हैं उनहोंने जिला से लेकर राज्य स्तर तक इस के लिए अथक प्रयास किया था अनुशंसा के परिणाम आज मधुबनी नगर परिषद को नगर निगम का दरजा मिला है एम एल सी सुमन कुमार महासेठ ने कहा कि नगर निगम बनने से मधुबनी जिला में चारों तरफ तरक्की की जाल बिछाई जाऐ गी और तरक्की के साथ किसानों मजदूरों को ज्यादा से ज्यादा फायदा होगा इस मोका पर भारतीय जनता पार्टी के पूरव अध्यक्ष विकास कुमार सुनील पुरवे सुनीता पुरवे दिलीप महतो नगर पार्षद उमेश परसाद रंजित कुमार अरुन राय सुमित रंजन सोहन कसेरा प्रमोद राय सहित कई लोग उपस्थित थे।

पारधी समाजा में बनाया एक नया इतिहात

पुणे। जिला में नायगाव तालुका. हवेली जिला. पुणे यहॉ सुरेखा बहन जी बचत गट और भूमी जनशक्ती किसान महासचिव इस संघटना में बहुत बडा योगदान देकर महिला सशक्तिकरण का बहुत बडा आदर्श निर्माण किया है। बहुत गरीबी हलात में जीवन में सुरेखा बहन जी अपने परिवार और गाँव राज्य और देश में अपने कार्य से प्रभावित किया। मराठी में कहते है 'जिच्या हाती पाळण्याची दोरी ती जगा उद्धरी' इस प्रकार अपने कर्तुत्व द्वारा महिला सशक्तिकरण इसके ज्वलंत उदाहरण याने कि सुरेखा बहन जी इनके जीवन में बहुत कठीन प्रसंग का सामना करते हुए उन्होने दुःख का पहाड पार कर के अपना नाम और पारधी समाज के उपर समाज अलग अलग नजरो से देखता है। फिर भी समाज कि पर्वा न करते हुए समाज का नाम लौकिक करने के लिए रात दिन एक करके नया इतिहास करके दिखाया उनके इस कार्य से आनेवाले समय मे महिलांओ को सुरेखा बहन जी एक प्रेरणा और जादा से जादा महिलाओं को सुरेखा बहनजी का आदर्श लेने जैसा है, फिर एक बार सुरेखा बहन जी को शुभकामनाएं!

रामपुर हलचल

अपना दल एस की एक सभा का आयोजन जिला महासचिव एवं सम्भावित विधानसभा मो. वकील एड. ऐपीजे अब्दुल कलाम मैरिज हाल मोहल्ला मस्जिद कोहना में किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। अपना दल एस की एक सभा का आयोजन जिला महासचिव एवं सम्भावित विधान सभा मो० वकील एड०ऐपीजे अब्दुल कलाम मैरिज हाल मोहल्ला मस्जिद कोहना में किया गया सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता हाफिज सनाउरर्हमान तथा संचालन मो० वकील एड० ने किया अपना दल एस के कारागार जेल मंत्री एवं लोक सेवा प्रबंध ने नगर वासियों की अनेकों प्रकार की समस्याओं को सुनते एवं लालपुर पुल जटिल समस्या को देखते हुए बिजली विभाग की अनेकों प्रकार की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए कहा नगर व आस पास के जितनी समस्याऐं है वह काफी गम्भीर जनक है समस्याओं को देखते हुए ऊर्जा मंत्री जी मिलकर समाधान कराये जाने तथा माननीय केशो मोर्य जी से मिलकर लालपुर पुल की समस्या को लेकर प्रयास करते हुए शीघ्र ही समस्या का समाधान कराये जाने का आशवासन दिया गया उनके आशवासन से जनता में खुशी की लहर दौड़ गई साथ ही अपना दल एस से जिला महासचिव मो० वकील एड० को 34 स्वार विधान सभा से चुनाव लड़ें जाने की बात कही गई लालपुर पुल की गम्भीर समस्या को देखते हुए कमाल आरा पूर्व न० पा० प० सभासद ने भी बिजली विभाग की अनिमित्ताओ को लेकर कहा कि बिजली विभाग कर्मचारी नगर के अन्दर उपभोक्ताओं के साथ खुला उत्पीड़न किया जाता है जिला महासचिव मो० वकील एड० ने निशाना साधते हुए कहा कि लालपुर पुल को तोड़ कर जनता को परेशान किया गया है शिक्षा से वंचित रखा गया है नगर व आस पास क्षेत्रीय जनता अपनी परेशानियों के देखते हुए जिला मुख्यालय पंहुचने में अपना समय एवं धन दोनों को बर्बाद कर पहुंचना पड़ता है सभी ने समस्याओं पर विचार करते हुए अपने विचार रखकर अफसोस जाहिर किया गया सभा में जिला ध्यक्ष धनवीर सिंह संधू जिला महासचिव मो० वकील एड० नगर ध्यक्ष हाजी बाबू, मु० सगीर, अहमद नबी सैफी, हाफिज सनाउरर्हमान, अ० सलाम, कमाल आरा, अशरफ मुनीम, शेलेश वर्मा, इफ्तेखार मंसूरी, आदि ने भाग लिया।

राजस्थान हलचल

जैसलमेर के पूर्व महारावल ब्रजराज सिंह का निधन दिल्ली में चल रहा था इलाज

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हूसैन

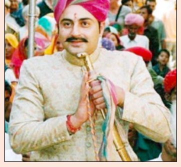

जैसलमेर। रियासत के पूर्व महारावल ब्रजराज सिंह का सोमवार को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 52 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी व दो बेटे है। गत कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही थी। पूर्व महारावल के निधन की सूचना आते ही जैसलमेर में शोक की लहर छा गई। साथ ही सोनार दुर्ग का ध्वज झुका दिया गया। पेट में तकलीफ होने पर कुछ दिन पूर्व ब्रजराज सिंह को जोधपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। उनके लिवर में तकलीफ पाए जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली ले जाकर इलाज कराने की सलाह दी थी। इसके बाद एयर एम्बुलेंस के जरिये दिल्ली के मेदांता अस्पताल ले जाया गया। आज सुबह इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। 52 वर्षीय पूर्व महारावल के परिवार में पत्नी राजेश्वरी देवी और दो पुत्र कुंवर चेतन्यराज सिंह भाटी और जनमेज्य राज सिंह भाटी है। बृजराज सिंह जी का जन्म 31 नवंबर 1968 को जैसलमेर में हुआ। बृजराज सिंह की शादी 28 जनवरी 1993 को नेपाल के महाराजा सहदेव शमशेर जंग बहादुर की पुत्री राजेश्वरी देवी के साथ हुई थी।

पानी कम पीते हैं तो इसकी जगह खाते रहे ये 5 फ्रूटस, नहीं होगी पानी की कमी

स्वस्थ रहने के लिए पानी बहुत जरूरी चीज है क्योंकि शरीर का एक तिहाई हिस्सा पानी से बना है। इसकी कमी होने पर शरीर को कई छोटी-बड़ी समस्याएं घेर लेती हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर के विषैले पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं और रोगों से बचा जा सकता है। यह जरूरी नहीं है कि पानी की पूर्ति के लिए दिन केवल इसे ही पीना है। आप इसकी पूर्ति के लिए फलों, सब्जियों और जूस का भी सेवन कर सकते हैं। जिससे शरीर को अन्य पोषक तत्व मिनरल्स और विटामिन्स भी मिलते हैं और शरीर हेल्दी बना रहता है।
आइए जानिए शरीर में पानी की पूर्ति के लिए किन-किन फलों को खाना चाहिए।

1. तरबूज
तरबूज में लगभग 92 प्रतिशत पानी होता है। इसके अलावा इसमें कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्निशियम आदि पाए जाते है। गर्मियों में इसे खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और निर्जलीकरण का समस्या से राहत मिलती है। इससे शरीर फिट और स्वस्थ रहता है

2. स्ट्रॉबेरी
इसमें भी पानी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसे खाने से भी शरीर में पानी की कमी नहीं रहती। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉलिक एसिड, फास्फोरस, पोटैशियम

और फाइबर आदि पोषक तत्व होते हैं। इसे खाने से पेट भरा-भरा रहता है। यह उम्र बढ़ने के प्रभाव को रोकती है और हृदय स्वस्थ रखने में मदद करती है।

3. खरबूजा
खरबूजा गर्मियों का मौसमी फल है। यह भी पानी का अच्छा स्त्रोत है। गर्मियों में पसीने के कारण शरीर पोटेशियम बाहर निकल जाता है। जिसकी पूर्ति के लिए आप खरबूजे का सेवन कर सकते हैं क्योंकि इसमें पोटेशियम काफी मात्रा में होता है। खरबूजा स्किन प्रॉब्लम से लेकर कैंसर जैसे घातक रोग को खत्म करने में मदद करता है।

4. आड़ू
आड़ू में लगभग 88 प्रतिशत पानी मौजूद है। इसे खाने से भी निर्जलीकरण की समस्या दूर होती है। आड़ू में फाइबर, पोटेशियम, फोलेट, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस आदि तत्व होते हैं। इसे खाने से मोटापा, हृदय रोग, डायबिटीज आदि बीमारियां दूर रहती है।

5. अनानास
अनानस पानी के लिए बहुत अच्छा फल है। इसका जूस पीने से शरीर में विषैले पदार्थ बाहर निकलते है और यह शरीर हाइड्रेट करने में मदद करता है। इसके सेवन से पाचन तंत्र मजबूत होता है।

दूध के बाद कभी न करें इन 5 चीजों का सेवन, शरीर को पहुंचता है नुकसान

दूध अपने आप में सम्पूर्ण आहार है इसलिए हम इसका सेवन करते हैं। दूध में मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स की वजह से अक्सर लोग किसी भी समय इसे पी लेते हैं। लेकिन आयुर्वेद के नियमों के अनुसार दूध के साथ कुछ आहारों का सेवन ठीक नहीं माना जाता है। इन आहारों का साथ में सेवन करने से शरीर को नुकसान पंहुच सकता है। आइये आपको बताते हैं क्या हैं वो आहार।

नींबू कटहल के संग भी दूध हानिकारक
दूध के साथ कुलत्थी, नींबू, कटहल करेला या फिर नमक का कभी भी एक साथ सेवन नहीं करना चाहिये। ये आपको लाभ पंहुचाने के बजाए नुकसान पहुंचा देगा। जिससे कि आपको शारीरिक परेशानी हो सकती है। इसको खाने से सबसे ज्यादा चमड़ी के रोग दाद, खाज, खुजली, एगसिमा, सोराईसिस, आदि हो सकते है।

ना करें उड़द की दाल और दूध का संग
दूध के साथ मूँग, उड़द, चना आदि सभी दालें,, गाजर, शककंद, आलू, तेल, गुड़, शहद, दही, नारियल, लहसुन, कमलनाल, सभी नमकयुक्त व अम्लीय प्रदार्थ नहीं लेना चाहिए। इनके बीच कम-से-कम 2 घंटे का अंतर अवश्य रखें अगर आप उड़द की दाल को दूध के साथ खाते है तो हार्टअटैक का खतरा बढ़ जाता है।

दूध के संग ना खाये मूली
दूध को कभी भी नमकीन और खट्टी चीजों के साथ नहीं लेना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी खाद्य पदार्थ में मूली का प्रयोग किया गया है तो इसके तुरंत बाद दूध नहीं पीना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से दूध विषैला हो सकता है साथ ही त्वचा संबंधी रोग होने की आशंका रहती है। मूली से बनी चीजें खाने के कम से कम दो घंटे के बाद ही दूध पिएं।

मछली के साथ दूध
दही की तासीर ठंडी होती है। इसे किसी भी गर्म चीज के साथ नहीं लेना चाहिए। वहीं मछली की तासीर काफी गर्म होती है, इसलिए इसे दही के साथ नहीं खाना चाहिए। इसके साथ सेवन से गैस, एलर्जी और त्वचा संबंधी बीमारी हो सकती है। दही के अलावा शहद को भी गर्म चीजों के साथ नहीं खाना चाहिए।

ना लें दूध के साथ फल
दूध के साथ फल लेते हैं तो दूध के अंदर का कैल्शियम फलों के कई एंजाइम्स को एड्जॉर्ब (खुद में समेट लेता है और उनका पोषण शरीर को नहीं मिल पाता) कर लेता है। संतरा और अनन्नास जैसे खट्टे फल तो दूध के साथ बिल्कुल नहीं लेने चाहिए। व्रत वगैरह में बहुत से लोग केला और दूध साथ लेते हैं, जोकि सही नहीं है। केला कफ बढ़ाता है और दूध भी कफ बढ़ाता है। दोनों को साथ खाने से कफ बढ़ता है और पाचन पर भी असर पड़ता है।

इसलिए हेयर स्टाइलिस्ट यूज करते हैं हेयर स्प्रे, पर्सनेलिटी में लगते हैं चार चांद

हेयर स्प्रे, एक प्रकार का स्टाइलिंग प्रोडक्ट है जो बालों को एक जगह स्टिक करके रखता है यानी अगर आप किसी खास तरह का हेयर स्टाइल अपना रहीं हैं तो हेयर स्प्रे की मदद से इसे काफी समय तक वैसे ही रख सकती है। महिलाओं में हेयर स्प्रे का चलन जोरों पर लेकिन पुरुष भी इससे अछूते नहीं रह गए हैं। बालों को कर्ल करने से लेकर कोई भी नया हेयर स्टाइल बनाने में हेयर स्प्रे की जरूरत होती है। आइए ऐसे ही कुछ खास कारणों के बारे में जानते हैं जिनमें हेयर स्प्रे का प्रयोग करते हैं-

बालों को रोल करने के लिए
बालों को रोल करने के लिए हेयर स्प्रे का प्रयोग करना अच्छा होता है। जब सारे बाल रोल हो जाएं तब उन पर हेयर स्प्रे कर लेना चाहिए जिससे बाल वैसे के वैसे ही सेट हो जाते हैं। इसके अलावा बालों में शाइन आती है और वे लचीले भी हो जाते हैं।

बाउंसी लुक के लिए
अकसर महिलाएं हेयर स्प्रे का प्रयोग बालों को बाउंसी व घना लुक देने के लिए करती हैं। बालों की जड़ों व अंदर की तरफ हेयर स्प्रे करने से बाल और भी खूबसूरत व घने दिखते हैं।

प्राकृतिक लुक के लिए
बालों को प्राकृतिक लुक व चमक देने के लिए ब्लो ड्राई के बाद हेयर ब्रश पर हेयर स्प्रे डालें और बालों में जड़ों से लेकर सिरे तक ब्रश करें।

बालों को फिक्स करने के लिए
अगर आप कोई भी हेयर स्टाइल पूरे दिन के लिए चाहते हैं तो हेयर स्प्रे के जरिए ऐसा कर सकते हैं। इससे आपके बाल वैसे ही सेट हो जाएंगे जैसा आप चाहते हैं।

कर्ली हेयर के देखभाल के लिए
कर्ली हेयर रुखे व बेजान से लगते हैं इसलिये अगर उन्हेंय थोड़ा नरम करना है तो उस पर ग्लिसरीन युक्त हेयर स्प्रे लगाएं। आप चाहे तो इस स्प्रे को घर पर भी बना सकती हैं। इसके लिये एक ही मात्रा में पानी और ग्लिसरीन मिला लें। इसको अच्र्छे से शेक करें और फिर उसमें कुछ बूंदे हेयर ऑयल की डाल लें। इस ग्लिसरीन के स्प्रे को तब अपने बालों पर छिड़के, जब आप नहा चुकी हों।

हेयर स्टाइल बनाने के लिए
किसी भी खास तरह की हेयर स्टाइल बनाने के लिए हेयर स्प्रे का प्रयोग

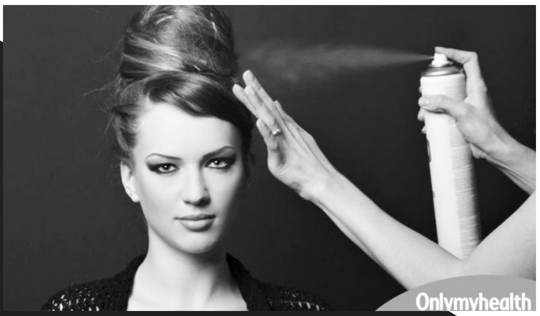

किया जाता है। ध्यान रहें एक अच्छे हेयर स्प्रे की खासियत होती है कि बालों को चिपचिपा नहीं करता है। अगर आपके हेयर स्प्रे के साथ ऐसा हो रहा है तो इसे बदल दें।

कलर बालों की सुरक्षा के लिए
कलर किए हुए बालों को धूप के सीधे संपर्क में आने से बचाने के लिए हेयर स्प्रे का प्रयोग कर सकते हैं। अपनी जरूरत के हिसाब से एसपीएफ युक्त हेयर स्प्रे चुनें और इसे प्रयोग करें।

ब्लॉक धमनियों को खोलने में कारगार है ये देसी नुस्खे

शरीर में ब्लड सकुर्लेशन सही रखने के लिए धमनियों का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। धमनियां बंद होने पर ब्लड सकुर्लेशन का कार्य प्रभावित होता है जिसके कारण अन्य शरीरिक समस्याएं होने का खतरा बना रहता है। यह समस्या ज्यादातर धूम्रपान करने वालों में होती है। धमनियों में ब्लॉकिज अचानक नहीं होती बल्कि इसके पहले कुछ शरीर में लक्षण जैसे चक्कर आना, सांस फूलना, चलने में कठिनाई होना आदि दिखाई देते हैं। जिसे पहचान कर इलाज करवाना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ घरेलू उपाय बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके ब्लॉक धमनियों को खोल सकेंगे।

1. हल्दी, 2. लहसुन
3. अलसी
4. अनार
5. लाल मिर्च पाउडर
इसमें कैप्सेसिन नामक तत्व होता है जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को निकालने में मदद करता है। 1 कप गर्म पानी में आधा या एक चम्मच लाल मिर्च मिलाकर पीएं लेकिन यह उपाय चिकित्सक की सलाह से करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

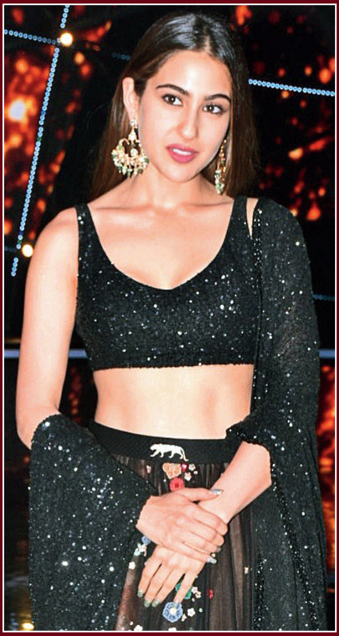

स्टारडम को लेकर सारा अली खान ने कही यह बात

फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली सारा अली खान ने अपने महज दो साल लंबे करियर में ग्लैमर की दुनिया की चकाचौंध और प्रशंसकों के प्यार से रूबरू हुई हैं। सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा इंडस्ट्री के तौर-तरीकों से बचपन से ही वाकिफ हैं, हालांकि वह खुद स्टारडम में यकीन नहीं रखती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान सारा ने कहा, मुझे स्टारडम की चाहत नहीं है। अभी तक मैंने फैंस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है, स्टार शब्द का उपयोग नहीं किया है। मैं इन सभी चीजों पर यकीन नहीं रखती हूं क्योंकि हर शुक्रवार को यहां सितारों की तकदीरें बदलती रहती हैं। सारा ने आगे कहा, मेरे ख्याल से एक आपकी नीयत ही ऐसी चीज है, जो मायने रखती है। आपकी जो नीयत होती है वो मैटर करता है और कहीं न कहीं जो आपकी शिद्दत, पैशन और जुनून होता है वो मैटर करता है। इनके अलावा सारी चीजें बदलती रहती हैं और बदलती रहेंगी।

आलिया भट्ट की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में होगा हुमा कुरैशी का आइटम नंबर!

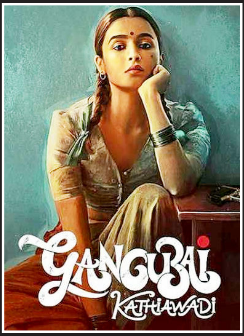

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की शूटिंग जारी है। इस फिल्म को लेकर हर दिन नई खबरें सामने आ रही है। अब खबरें आ रही है कि आलिया भट्ट स्टारर इस फिल्म में हुमा कुरैशी भी नजर आ सकती हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में हुमा एक आइटम नंबर करती हुई दिख सकती हैं। संजय लीला भंसाली की फिल्म में कोई भी किरादर निभाना किसी भी स्टार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। ऐसे में बताया जा रहा है कि जब हुमा कुरैशी को ये रोल ऑफर किया गया तो उन्होनें बिना देए किए आइटम नंबर करने के लिए हां कह दी है। यह निश्चित रूप से हुमा कुरैशी के लिए एक बड़ा ब्रेक साबित हो सकता है। खबरों के अनुसार भंसाली एक ऐसी डांसर चाहते थे, जो अपनी भाव-भंगिमाओं से गाने में जान डाल सके। हुमा फिल्म में मुजरा नहीं कर रही हैं। यह एक उत्तेजक और भड़कीला आइटम नंबर होगा। गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया के अलावा अजय देवगन का कैमियो भी नजर आएगा। वह फिल्म में आलिया के मेंटर का रोल निभाएंगे। इस फिल्म में बंटवारे से पहले और उसके बाद की कहानी भी दिखाई जाएगी। बता दे कि, गंगूबाई काठियावाड़ी फिल्म मशहूर लेखक हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' पर बनाई जा रही है।

रणबीर कपूर नहीं करेंगे संजय लीला भंसाली की 'बैजू बावरा'

रणबीर कपूर को बॉलीवुड में फिल्म निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली ने ही प्रस्तुत किया था। सांवरिया रणबीर की पहली फिल्म थी, जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी, लेकिन रणबीर की गाड़ी चल पड़ी क्योंकि भंसाली ने उनसे बेहतरीन एक्टिंग करवाई थी। इस फिल्म में के बाद भंसाली के खेमे में रणवीर सिंह की एंट्री हो गई। दोनों ने मिल कर गोलियों की रासलीला रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी सुपरहिट फिल्में दीं। इस सफलता के बावजूद रणबीर कपूर के साथ एक फिल्म भंसाली करना चाहते थे और उन्होंने 'बैजू बावरा' नामक फिल्म की रूपरेखा बनाई। लंबे समय से दोनों इस फिल्म को लेकर बात कर रहे थे, लेकिन अब रणबीर कपूर इस फिल्म से अलग हो गए हैं।